කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි තෙවන පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2013

(නව නිර්දේශය)

2016 අගෝස්තු - ඔක්තෝබර්

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දි - **HIND - E 3025**

නූතන හින්දි ගද්‍ය (නියමිත/අනියමිත)

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 06 යි. **කාලය : පැය 03 යි.**

केवल **पाँच प्रश्नों** के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **01** तथा **02** अनिवार्य हैं।

---

01. निम्नलिखित किन्हीं <u>दो</u> गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क) "अब तो मारे प्यास के रहा नहीं जाता। थोड़ा पानी। नाक बंद करके पी लूँ।"

(ख) "अच्छी बात है। हम भी देखेंगे कि कौन कितने पानी में है। इस बहाने एक मुसल्मान की मनुष्यता की परीक्षा हो जाएगी और यह भी प्रकट हो जाएगा कि एक राजपूतनी की राखी में कितनी ताकत है।"

(ग) जब–जब भेंट होती, मैं पाता, उसके शरीर में नये–नये विकास हो रहे हैं। शरीर में और स्वभाव में भी। पहली भेंट के बाद पाया था, वह कुछ प्रगल्भ हो गयी है–मुझे देखते ही दौड़कर निकट आ जाती, प्रश्न पर प्रश्न पूछती। अजीब अटपटे प्रश्न।

(घ) बहन ने तो किसी को कुछ नहीं कहा, किसी से लड़ाई नहीं की, क्या इसी तरह एक दिन मुझे भी ये लोग निकाल देंगे? मैं भी इसी तरह कोने में बैठकर रोऊँगी और किसी को मुझपर दया न आएगी? इसलिए वह भयभीत भी है।

02. निम्नलिखित गद्यांश की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

प्रिय–वचन सबको सुहावनी लगती है। प्रिय–वचन के प्रवाह का परिणाम यह होता है कि इससे लोगों में प्रिय–वचन बोलनेवाले के प्रति आकर्षण हो जाता है। यह पारस्परिक सौहार्द्र एवं मृदुता का संचार करने में सहायक होता है। यह मान–मर्यादा, प्रतिष्ठा, श्रद्धा और विश्वास के अभिवर्धन में भी सहायक होता है। जीवन और जगत में मधुर सम्भाषण सर्वत्र महत्वपूर्ण है। मधुर सम्भाषण से श्रोता और वक्ता दोनों का लाभ होता है।

03. '**निर्मला** उपन्यास में प्रेमचंद ने स्त्री के चरित्रगत स्वभाव को उल्लेख करने का अधिक प्रयत्न किया है।' सोदाहरण इस कथन की पुष्टि कीजिए। (20 अंक)

04. **आदमी का बच्चा** कहानी में निरूपित **डोली** के चरित्र पर प्रकाश डालिए।
(20 अंक)

05. **राखी का मूल्य** एकांकी का कथा–सारांश अपनी हिंदी में लिखिए।
(20 अंक)

06. **बैजू मामा** रेखाचित्र में निरूपित **बैजू मामा** का चरित्र–चित्रण कीजिए।
(20 अंक)

****